FREE PRESS JOURNAL, Mumbai, 18.7.2022
Page No. 4, Size:(18.22)cms X (6.27)cms.

ARTIST'S IMPRESSION

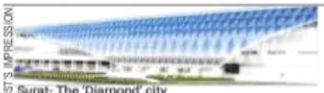

Surat- The 'Diamond' city

Bilimora- famous for Mango orchards

Anand- The 'Milk' city

Bullet train stations: Facades to get local flavours

KAMAL MISHRA / Mumbai

The Mumbai-Ahmedabad bullet train project stations' façade will be designed keeping in view of the local architecture and character of the city. The specific functional needs of each station are wrapped with an architectural skin that is site-specific in terms of scale, massing, volume and material. For example, the importance and significance of speed will be showcased at Vapi station, and the upcoming Bharuch station will be designed based on cotton weaving to honour the 150-year-old art and its artists.The station façade design of Vaodara HSR station is inspired from the profile and foliage of a 'banyan tree'.Ahmedabad station façade is inspired by Syed Siddque Jali, and Sabarmati station façade design is inspired from Mahatma Gandhi's charkha. he theme of the high speed rail station at Surat will be based on 'diamonds' and the theme of Bilimora will be designed on mangoes.

The theme of the station in Anand, known as 'milk city', will be designed accordingly. Each and every station of the Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail corridor has been chosen after great research on geographical, economical infrastructural, cultural and various other factors," said an officer.

Total length **508.17 km**		**PROPOSED STATIONS**
Total stations **12**	Stations in Gujarat **8**	Mumbai (BKC), Thane, Virar, Boisar, Vapi, Bilimora, Surat, Bharuch, Vadodara, Anand/ Nadia, Ahmedabad and Sabarmati
Stations in Mumbai **4**		

RAJASTHAN PATRIKA, Ahmedabad, 16.7.2022
Page No. 2, Size:(28.97)cms X (12.17)cms.

बुलेट ट्रेन के साबरमती स्टेशन को दिया जा रहा दांडी मार्च का लुक

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद/गांधीनगर. अहमदाबाद से मुंबई के बीच दौड़ने वाली प्रस्तावित बुलेट ट्रेन (हाइस्पीड ट्रेन) का प्रारंभिक स्टेशन अहमदाबाद का साबरमती स्टेशन होगा। ढाई हेक्टेयर में विकसित हो रहे इस मल्टी मॉडल इन्टीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट हब (बुलेट ट्रेन साबरमती स्टेशन) को दांडी मार्च का लुक दिया जा रहा है। इसका यह लुक अब बाहर से भी देखा जा सकता है। इस वर्ष के अंत तक इस स्टेशन के बनकर तैयार होने की संभावना है।

इस मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब में दो इमारतें बन रही हैं, जिसमें एक इमारत सात मंजिला और दूसरी नौ मंजिला बनाई जा रही है। यह तैयार होने के बाद नेशनल हाइस्पीड रेल कॉरिडोर (एनएचएसआरसीएल) का कार्यालय भी इसी इमारत में स्थानांतरित किया जा सकता है।

पार्किंग की सुविधा

इसके बाद यहां पर मॉल, होटल समेत कॉमर्शियल गतिविधियों के लिए स्थल लीज पर देने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। इमारतों के तलघर में पहले तीन मंजिला वाहन पार्किंग के लिए होंगे, जहां 1100 से ज्यादा दुपहिया वाहन और 650 से ज्यादा चार पहिया वाहन पार्क हो सकेंगे।

नेशनल हाइस्पीड रेल कॉर्पोरेशन (एनएचआरसी) के एक अधिकारी के मुताबिक यह मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब साबरमती रेलवे क्रिकेट ग्राउण्ड के निकट है। ट्रांसपोर्ट हब को रेलवे स्टेशन, बुलेट ट्रेन, मेट्रो स्टेशन, गुजरात राज्य परिवहन निगम और बीआरटीएस बस स्टैण्ट के साथ स्काय वे और फुट ओवरब्रिज के जरिए जोड़ा जाएगा ताकि यात्रियों को आवाजाही में आसानी हो।

बुलेट ट्रेन, मेट्रो और ट्रेन के साथ बस भी मिलेगी

साबरमती का यह स्टेशन देश का ऐसा पहला स्टेशन होगा जहां न सिर्फ ट्रेन बल्कि बुलेट ट्रेन, मेट्रो ट्रेन की सुविधा यात्रियों को मिलेगी। इतना ही नहीं इस स्टेशन से बीआरटीएस बस, एएमटीएस बस और काफी हद तक एसटी बस की सुविधा भी यात्री प्राप्त कर सकेंगे। इस स्टेशन को साबरमती रिवरफ्रंट से भी जोड़ा जाएगा ताकि यात्रियों को आवाजाही में आसानी होगी।

धर्मनगर से साबरमती, बीआरटीएस के लिए ओवरब्रिज

साबरमती मल्टी मॉडल इंटीग्रेटड ट्रांसपोर्ट हब का यह स्टेशन साबरमती रेलवे यार्ड क्षेत्र में जेलरोड और धर्मनगर स्टेशन के बीच तैयार हो रहा है। इन स्टेशनों के बीच आवाजाही के लिए सुविधा मुहैया कराई जाएगी। यात्रियों की आवाजाही आसानी से हो सके इसके लिए तीन फुटओवरब्रिज बनाए जाएंगे, जिसमें एक ब्रिज दस मीटर चौड़ा होगा, जिसे साबरमती मीटरगेज स्टेशन से जोड़ा जाएगा। इसके साथ ट्रैवलेटर भी लगाया जाएगा। दूसरा ब्रिज टर्मिनल हब और एईसी मेट्रो स्टेशन, बीआरटीएस स्टेशन से जोड़ा जाएगा। वहीं तीसरा ब्रिज 320 मीटर लम्बा होगा, जो बुलेट ट्रेन स्टेशन और साबरमती ब्रॉडगेज रेल स्टेशन से जोड़ा जाएगा।

एक ही जगह से मिल सकेगी टिकट

यात्रियों को टिकटों के लिए अलग-अलग स्टेशनों पर भटकना नहीं पड़े इसके लिए ट्रांसपोर्ट हब में ही बुलेट ट्रेन, रेलवे स्टेशन, मेट्रो ट्रेन के टिकट काउंटर सुविधा होगी।

PUDHARI, Mumbai, 19.7.2022
Page No. 5, Size:(9.45)cms X (7.71)cms.

Features of cities on bullet train stations

बुलेट ट्रेन स्थानकांवर शहरांची वैशिष्ट्ये

मुंबई : पुढारी वृत्तसेवा

पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांचा महत्त्वाकांक्षी प्रकल्प असलेल्या मुंबई ते अहमदाबाद बुलेट ट्रेनचे (५०८.१७ कि.मी) काम पूर्ण करण्यावर केंद्र सरकारने भर दिला आहे. बुलेट ट्रेनच्या स्थानकांवर शहरांची वैशिष्ट्ये दर्शवण्यात येणार आहेत.

गुजरातमधील ८ स्थानकांच्या बांधकामाची प्रक्रिया जोमाने सुरू आहे. या मार्गातील सुरत हे पहिले स्थानक असेल जे २०२४ पर्यंत पूर्ण होण्याची शक्यता आहे. मुंबई ते अहमदाबाद बुलेट ट्रेनच्या स्थानकांच्या दर्शनी भागाची रचना शहराची स्थानिक वास्तुकला आणि वैशिष्ट्ये लक्षात घेऊन केली जाणार आहे. प्रत्येक स्थानकाचे भौगोलिक, आर्थिक पायाभूत सुविधा, सांस्कृतिक आणि इतर विविध घटकांवर मोठ्या संशोधनानंतर वैशिष्ट्ये निवडले आहे.

● बिलीमोरा

आंब्याच्या बागांसाठी प्रसिद्ध असलेल्या बिलीमोरा शहराची थीम त्यानुसार तयार केली जाणार आहे.

● वापी

वापी स्थानकावर वेगाचे महत्त्व, तर भरुच स्थानकावर १५० वर्षे जुनी कला आणि त्यातील कलाकारांचा सन्मान करण्यासाठी कापूस विणकाम अंतर्गत डिझाईन केले जणार आहे.

● वडोदरा

वडाच्या झाडावरून वडोदरा असे नाव पडले आहे. त्यामुळे वडोदरा स्थानकावर वटवृक्षाचे चित्र रेखाटण्यात येणार आहे.

● अहमदाबाद

अहमदाबाद स्टेशनचा दर्शनी भाग सय्यद सिद्दीक जाली यांच्याकडून प्रेरित आहे.

● साबरमती

साबरमती स्टेशनच्या दर्शनी भागाची रचना महात्मा गांधींच्या चरख्यापासून प्रेरित आहे.

● सुरत

हिरे उद्योगासाठी प्रसिद्ध असलेल्या सुरत येथील स्थानकाची थीम डायमंड्सवर आधारित असेल.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन महाराष्ट्र, गुजरात आणि दादरा-नगर हवेलीतून जाणार आहे. बीकेसी, ठाणे विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सुरत, भरूच, वडोदरा, आनंद/नादिया, अहमदाबाद आणि साबरमती ही १२ प्रस्तावित स्थानके आहेत. यापैकी आठ स्थानके गुजरात आणि ४ महाराष्ट्रात आहेत.